

विदेशी मूल विनियम अधिनियम में संशोधन से पूर्व तकनीकी विकास महा निदेशालय के अन्तर्गत औद्योगिक उत्पन्न

2672. श्री राम बिलास वात्सवान : क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) तकनीकी विकास महानिदेशालय के अन्तर्गत विदेशी मूद्रा विनियम अधिनियम में वर्ष 1973 में हुए संशोधन से पांच वर्ष पूर्व की अवधि का औद्योगिक उत्पादों का उद्योग वार ब्योरा क्या है ;

(ख) उक्त अवधि के दौरान इन उत्पादों के आयातित तत्वों के प्रतिशत का वार्षिक ब्योरा क्या है ; और

(ग) उन उत्पादों के नाम क्या हैं जिनमें आयातित तत्वों का प्रतिशत घटकर शून्य अथवा है प्रतिशत हो गया है और उन उत्पादों के नाम क्या हैं जिनमें आयातित तत्वों का प्रतिशत उसी पुराने स्तर पर जारी है ?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री चरणजीत वात्सवान) : (क) उत्पादन का उद्योग-वार ब्योरा इस मंत्रालय की वार्षिक रिपोर्ट में दिया जाता पांच जो प्रति वर्ष सभा-पटल पर रखी जाती है । उत्पादों का वर्ग वार शीर्षकों के अन्तर्गत उद्योग-वार विवरण भी इसी प्रकाशन में उपलब्ध है । हाल ही में सभा पटल पर रख गए वर्ष 1979-80 के आर्थिक सर्वेक्षण की सांख्यिकीय तालिका 1.15 और 1.16 में भी इसका उल्लेख किया गया है ।

(ख) और (ग). अपने भिन्न-भिन्न उत्पादों के लिए अलग-अलग एक-एक के आयात प्रतिस्थापन संबंधी कार्यक्रमों सहित अपने निजी उत्पादन कार्यक्रम होते हैं । कुछ समय के बाद प्रत्येक उत्पाद में आयात के अंश को कम करना अनेक कारणों पर निर्भर करता है जैसे—उत्पाद की जटिलता की मात्रा, खरीदे जाने वाले हिस्से-पुर्जों की किस्म का देश में, उपलब्धता कच्चे माल की उपलब्धता इत्यादि । कुछ मामलों में औद्योगिक एकक तकनीकी विकास के महानिदेशालय को संदर्भ दिए बिना ही वस्तुओं का आयात कर सकते हैं । इन्हीं कारणों से तकनीकी विकास के महानिदेशालय में दर्ज एककों द्वारा निर्मित पदार्थों में संबंधित अवधि में आयात के अंश में हुए परिवर्तन का ठीक ठीक अनुमान लगा सकना संभव नहीं है ।

Visit of Industry Minister to Indonesia

2673. SHRI JANARDHANA POOJARY:

SHRI G. Y. KRISHNAN:

Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether he visited Indonesia during May, 1980; and

(b) if so, the nature of talks held there and their outcome?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI CHARANJIT CHANANA): (a) Yes, Sir.

(b) In the Agreed Minutes signed with the Indonesian Minister for Industry India has offered to cooperate in the establishment of plants in the sectors of cement, aluminium, pulp and paper, and power generation. Other possibilities of Indian participation include the steel sector, dairy industry, the palm oil industry, the small scale industrial sector, sugar industry and rural banking. It is expected that both sides will duly consider the specific possibilities through detailed discussions on the various aspects including costs, modalities of participation and time schedule, etc.

Remission of Colonisation Loans in Andaman & Nicobar Islands

2674. SHRI MANORANJAN BHAKTA: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to refer to the reply given to Starred Question No. 132 on the 19 March, 1980 regarding remission of colonisation loans in Andaman and Nicobar Islands and state:

(a) how many cases of colonisation Loan remission were ordered in the Union territory of Andaman and Nicobar Islands; Tehsil-wise; and

(b) whether the Administration had informed the individual loanees whose loan is remitted; if not, the reasons therefor?